प्रकाशक/स्वामीत्व
रजनी (पुत्री-महेश धावनिया)

डाक पंजियन संख्या : JaipurCity/423/2017-19

श्री बाबा

प्रधान कार्यालय-सी-57, महेश नगर, जयपुर-15, मो.-9928260244 हिन्दी मासिक समाचार पत्र 7073909291 E-mail:shreebaba_2008@yahoo.com

वर्ष : 12 अंक : 4 आर.एन.आई. नं. : RAJHIN/2008/24962 जयपुर, 5 जून, 2019 मूल्य : 5 रुपए प्रति पृष्ठ : 4

स्वास्थ्य सेवाएं सरकार के मुख्य एजेंडे में, जल्द लाएंगे राइट टू हेल्थः अशोक गहलोत

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि प्रत्येक व्यक्ति को चिकित्सा की उत्तम सुविधा मिले, इसके लिए सरकार राइट टू हेल्थ बिल पर काम कर रही है, जल्द ही इस बिल को राज्य में लागू कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही मुख्यमंत्री नि:शुल्क दवा योजना की दुनियाभर में सराहना की गई है। वर्तमान में लगभग 17 राज्यों ने इस योजना से प्रेरित होकर अपने यहां योजनाएं लागू कर रखी हैं। श्री गहलोत श्री सत्य साई हार्ट हॉस्पिटल राजकोट व अहमदाबाद तथा श्री सत्य साई सेवा संगठन राजस्थान के संयुक्त तत्वाधान में श्री सत्य साई महिला महाविद्यालय में आयोजित नि:शुल्क हृदय रोग शिविर के शुभारम्भ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि शुद्ध पेयजल व स्वास्थ्य सरकार की जिम्मेदारी है। राज्य सरकार मुख्यमंत्री नि:शुल्क दवा योजना का दायरा बढ़ाते हुए इसमें हृदय रोग, कैंसर व किडनी जैसे रोगों के इलाज के लिए भी दवाइयां उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी (शेष पृष्ठ 2 पर)

पूर्वी राजस्थान में दलितों पर बढ़ते अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए बनाई जाएं विशेष सैल या एससी आयोग की अलग इकाई

जयपुर। राजस्थान में दलित वर्ग आज भी समाज में अपने उचित सम्मान को लेकर संघर्षरत है। दलित शोषित वग्र के खिलाफ पिछली भाजपा सरकार के पांच साल के कार्यकाल के दौरान से ही अत्याचार, शोषण, बल्लात्कार, मारपीट, उनकी जमीन हथियाने, हत्या, हमलें, जबरन गांवों से बेदखल करने, रोजगार छीन लेन, जाति सूचक शब्दों से अपमानित करने, सार्वजनिक स्थलों पर पानी नहीं पीने देने, दलित दूल्हों को घोड़ी से उतारने सहित अनेक अपराधों का सिलसिला लगातार बढ़ रहा है।

केन्द्र सरकार की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2013 से 2015 के बीच दलितों पर अत्याचार में राजस्थान देश में नंबर वन था। तब दो सालों में करीब 24 हजार प्रकरण थानों में एस.सी./एस.टी. वर्ग ने प्रताड़ित शोषित होकर दर्ज कराए थे। यहां पांच साल में करीब पचास हजार से ज्यादा दलितों ने कई तरह की प्रताड़ना के केस दर्ज कराए थे। नेशनल क्राईम रिकॉर्ड ब्योरे के आंकड़े बताते है कि राजस्थान प्रदेश, देश के उन राज्यों में शुमार हो गया था, जहां एस.सी. प्रकरणों में चार्चशीट दाखिल करने में शुस्ती बरतने वाले राज्यों में राजस्थान अव्वल रहा केवल 44.7 फीसदी मामलों में ही चार्चशीट पेश की गई। सभी अपराधों में से 12.6 फीसदी मामले अकेले दलित वर्ग को प्रताड़ित, अपमानित, बलात्कार, यौन शोषण और अन्य प्रताड़ना से जुड़े थे। यह देखकर लगता है कि दलित समाज अपने अधिकारों से महरूम ही है। कोई ना कोई घटनाएं रोज घटित हो रही हैं, जो निंदनीय है।

उल्लेखनीय है कि पिछली सरकार के समय में अजमेर संभाग मुख्यालय से कुछ किलोमीटर दूरी पर ही डांगावास में जाति विशेष के दंबग लोगों द्वारा दलित परिवार की कूंरता के साथ की गई हत्याओं और बीकानेर में डेलडा मेघवाल प्रकरण को समाज अभी भूला नहीं है। उसके जहन में डर, असुरक्षा व्याप्त है और आत्मसम्मान से जीने का अपना ऐसी घटनाओं से टूटा हुआ है।

अब थानागाजी में सामूहिक गैंगरेप प्रकरण जैसी घिनोनी घटना हुई है। इसकी जितनी घोर निन्दा की जाए उतनी कम है। घटना के बाद दलित वर्ग की निगाहें सरकार पर टिकी है। इस प्रकरण में साफतौर पर पुलिस की घोर लापरवाही और असंवेदनशीलता सामने आई है, जिस पर कठोर कार्यवाही होनी चाहिए। इस घटना के सभी दोषी अपराधी गिरफ्तार हो चुके है, लेकिन हमारी सरकार से मांग है कि इस केस की (शेष पृष्ठ 3 पर)

जयपुर ग्रामीण एस.पी. से मिला संस्था का शिष्टमंडल, की न्याय की माँग

हरसुलिया, फागी दलित बालिका छेड़छाड़ मामला, दरिंदों को गिरफ्तार करने व संस्था के कार्यकर्ताओं पर लगे मुकदमे को वापस लेने की माँग

जयपुर। दलित बालिका छेड़छाड़ व मारपीट हरसुलिया, फागी मामले को लेकर डॉ भीमराव अंबेडकर सामाजिक विकास संस्था राजस्थान का शिष्टमंडल जयपुर ग्रामीण एस.पी. मान्यवर हरेंद्र महावर से मिले। शिष्टमंडल ने माँग रखी की दरिन्दों को अतिशीघ्र गिरफ्तार कर कानूनी कार्यवाही की जाये, 27 मई को हरसुलिया जाम में न्याय की माँग कर रहे संस्था के 7 कार्यकर्ताओं पर पुलिस द्वारा लगाये गए मुकदमे को वापस लिया जाये। पीड़िता को आर्थिक सहायता दी जाये। इसे लेकर एस.पी. ने आश्वासन दिया कि 100 प्रतिशत न्याय मिलेगा व मुकदमा वापस ले लिया जायेगा।

इसके लिए एस.पी. हरेंद्र महावर को संस्था के शिष्टमंडल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर श्री अनिल गोठवाल-डॉ अम्बेडकर वेलफेयर सोसायटी, एडवोकेट बाबूलाल बैरवा दौसा, एडवोकेट ताराचंद वर्मा, संस्था के प्रदेशाध्यक्ष डॉ बुद्धिप्रकाश झाडला, मुख्य संयोजक त्रिलोकराज बैनिवाल, प्रदेश कार्यालय प्रभारी सोभागमल गोमावत, जिला महामंत्री अविनाश झुँझ वाल्मिकी, फागी अध्यक्ष जैकी कुमार टाटीवाल, माधोराजपुरा ब्लॉक प्रभारी प्रभुदयाल बैरवा, रवि कुमार मेघवाल, हरसुलिया अध्यक्ष मुकेश बैरवा, रेनवाल मांजी अध्यक्ष मुकेश कुमार बैरवा, जगतपुरा अध्यक्ष सरदार सिंह बैरवा, रविन्द्र मीणा आई.बी., अशोक कुमार, बद्री बिरमपुरा, एच.बी. चारणवाल, विजय चारणवाल समस्त झराणा खुर्द शाखा व कार्यकरिनिया मौजूद रहे। सभी ने एस.पी.को ज्ञापन देकर न्याय की माँग की।

ऑनलाइन बाल यौन उत्पीड़न जांच पर अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

जयपुर। महानिदेशक पुलिस श्री कपिल गर्ग ने सोमवार को प्रात: राजस्थान पुलिस अकादमी में ऑनलाइन बाल यौन उत्पीड़न जांच के अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन यूनिसेफ सेंटर फॉर चाइल्ड प्रोटेक्शन तथा सरदार पटेल यूनिवर्सिटी के ग्लोबल सेंटर फॉर सिक्योरिटी व काउंटर टेरोरिज्म एंड एन्टी इंसर्जेंसी द्वारा किया गया।

श्री गर्ग ने कहा कि बच्चे हमारा भविष्य है। बच्चों को सुरक्षित रखकर ही हम हमारे उज्जवल भविष्य की कल्पना कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बाल यौन उत्पीड़न एक गंभीर अपराध है और एक अत्यंत सवेंदनशील मुद्दा है। बाल यौन उत्पीड़न से प्रभावित बच्चों के मानसिक व समग्र विकास पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। अत:

इस मुद्दे पर सक्रिय दृष्टिकोण अपनाकर बच्चों के लिए सुरक्षित और सहयोगी वातावरण बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने प्रदेश में बाल यौन उत्पीड़न रोकने के लिए सभी के सहयोग से व्यापक स्तर पर प्रयासों की आवश्यकता प्रतिपादित की।

प्रारम्भ में अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस श्री राजीव शर्मा ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्वस्थ समाज के लिए बच्चों को यौन उत्पीडन एवं अन्य प्रकार के शोषणों से सुरक्षित रखना आवश्यक है। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को यूनिसेफ प्रभारी सुश्री ईशाबेल बॉर्डन, इंटरनेशनल सेंटर फॉर मिसिंग एक्सप्लॉइटेड चिल्ड्रन के प्रोग्राम डायरेक्टर गुइलेर्मो गलार्ज़ा तथा गूगल के सिक्यूरिटी कौंसिल माइकल मेफई ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

अखिल भारतीय रैगर महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक का सफल आयोजन

जयपुर। गत दिनों अखिल भारतीय रैगर महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता अखिल भारतीय रैगर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ड़ा एस. के. मोहनपुरिया की।

सदन द्वारा सर्वप्रथम महासभा की 10 मार्च 2019 की बैठक एवं शपथ ग्रहण समारोह की कार्यवाही की पुष्टि कर अनुमोदन किया। उसके बाद महासभा के चुनाव न्यायधिकरण का गठन किया गया जिसके अध्यक्ष पूर्व आर ए एस श्री नाथूलाल वर्मा निवासी श्योपुर तथा सदस्य पूर्व जज श्रीमान प्रयाग चंद वर्मा, बैंक मैनेजर श्री कालूराम सबल, एडोवकेट महेन्द्र कुलदीप, एडोवकेट योगेश जलुथरिया को सर्वसम्मति से बनाया गया।

प्रस्ताव पारित किया गया कि कार्यालय विस्तार सुसज्जीत तरीके से किया जायेगा जिसमें कम्प्यूटर प्रिंटर सहित व 2 कार्मिक की नियुक्ति की जाए।

अन्य प्रस्ताव में समाज पर हो रहे अत्याचार, महिला / पुरूष सामाजिक अत्याचार ,पारिवारिक समस्या निराकरण समिति की संयोजक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती सीमा हिगोनिंया एंव 6 अन्य सदस्यों को (शेष पृष्ठ 3 पर)

सर्वधर्म सामूहिक विवाह सम्मेलन 10 जुलाई को

जयपुर। न्यू जागृति सामाजिक सेवा संस्थान की ओर से सर्वधर्म सामूहिक विवाह

सम्मेलन 10 जुलाई, 2019 को शीतला माता चाकसू में होने जा रहा है ऐसे परिवार जो अपनी बेटी की शादी का खर्चा उठाने में असमर्थ हैं वह अपनी मर्जी से बेटी का रिश्ता करने के बाद निचे दिए गए हैं नंबर पर सम्पर्क करे शादी पुरा खर्च न्यू जागृति सामाजिक सेवा संस्थान की ओर से किए जायेगा व हर लाडली बेटी का नया जीवन शुरू करने के लिए संस्थान की ओर से विशेष उपहार में 100 वर्ग गज भूमि व 1 लाख रुपए मूल्य करीब का घर उपयोगी सामान उपहार स्वरूप दिया जायेगा। वर पक्ष से 21,000 व वधू पक्ष से 11,000 रुपये सहयोग राशि ली जायेगी। अब तक 70 जोड़ों का पंजीयन हो चुका है। कार्यालय : फोर्थ फ्लोर 403 पुष्प एन्क्लेव 8 सेक्टर के सामने प्रताप नगर टोंक रोड जयपुर राजस्थान। **मो.: 8107877778**

समाचार विज्ञापन संकलन

श्री बाबा समाचार पत्र की प्रकाशन तिथि प्रत्येक माह की 5 तारीख है। अत: समाचार एवं विज्ञापन आदि के प्रकाशन के लिए विज्ञप्ति, फोटो आदि सामग्री माह की 20 तारीख तक पूर्ण विवरण के साथ भिजवा दें। सम्पर्क करें:

श्री बाबा whatsapp **7073909291**

सी-57, महेश नगर, 80 फीट रोड, जयपुर-15

मो.-9928260244 E-mail : shreebaba_2008@yahoo.com

सम्पादकीय

जीएसपी दर्जा खत्म

अमेरिका द्वारा व्यापार में वरीयता की सामान्य व्यवस्था यानी जीएसपी के तहत भारत को विकासशील देश के रूप में शुल्क में छूट का लाभ समाप्त करने के कदम की चर्चा चाहे जितनी हो, इसे लेकर चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। वैसे भी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 4 मार्च को कह दिया था कि यदि भारत में अमेरिकी सामानों को अपने बाजार तक समान और यथोचित पहुंच उपलब्ध नहीं कराया तो अगले साठ दिनों में जीएसपी दर्जा समाप्त कर देंगे। अब उनका कहना है कि चूंकि भारत ने इस संबंध में आश्वासन नहीं दिया है इसलिए 5 जून से भारत का दर्जा खत्म। 60 दिन की अवधि 3 मई को ही खत्म हो गई थी। इस बीच भारत अमेरिका के साथ बातचीत करता रहा लेकिन कोई रास्ता न निकला। हालांकि भारत ने इस घोषणा के बाद जिस तरह का संतुलित रवैया अपनाया है वह उचित है। अमेरिका भारत को सबसे ज्यादा लाभ देने वाला व्यापारिक साझेदार है, इसलिए बिगाड़ करना अपने को ही नुकसान पहुंचाना है। वैसे भारी संख्या में अमेरिकी सांसदों ने ट्रंप से ऐसा न करने का अनुरोध किया था। वहां की संसद के दोनों सदनों ने भारत को जीएसपी दर्जा बनाए रखने का प्रस्ताव तक पारित कर दिया था। ट्रंप ने इन सबको नकार कर यह कदम उठाया है। जीएसपी अमेरिका का पुराना व्यापार तरजीही कार्यक्रम है, जिसे चुनिंदा गरीब व विकासशील देशों के हजारों उत्पादों को शुल्क से छूट देकर आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया था। जीएसपी कार्यक्रम के तहत कोई विकासशील देश अगर अमेरिकी कांग्रेस द्वारा तय अर्हता शतरे को पूरा करता है तो वह वाहन कल-पुजरे एवं कपड़ों से जुड़ी सामग्रियों सहित करीब 2,000 उत्पादों का अमेरिका को बिना किसी शुल्क के निर्यात कर सकता है। कांग्रेस की जनवरी में प्रकाशित एक रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2017 में भारत इस कार्यक्रम का सबसे बड़ा लाभार्थी रहा था। अमेरिका के एक व्यापार संगठन कोएलेशन फॉर जीएसपी की ओर से कहा गया है कि इस फैसले से अमेरिकी कारोबारियों को 30 करोड़ डॉलर के अतिरिक्त कर का भुगतान करना होगा। इसीलिए यह संगठन इस फैसले को रोकने के लिए अभियान चला रहा था। अमेरिका इस समय अपना व्यापार घाटा कम करने के लिए कई कदम उठा रहा है, जिसमें सबसे ज्यादा आक्रामकता चीन के प्रति दिखी है। हमारे साथ वह उस तरह पेश नहीं आ रहा है, क्योंकि हमारा सामरिक महत्त्व उसके लिए ज्यादा है।

सदस्यता शुल्क

वार्षिक सदस्यता
100 रुपए
विशिष्ट द्विवार्षिक सदस्यता
500 रुपए
साथ में पाएं दो वैवाहिक एवं एक क्लासीफाइड डिस्प्ले विज्ञापन बिल्कुल मुफ्त
आजीवन सदस्यता
2100 रुपए
संरक्षक सदस्यता
5100 रुपए

डॉ. अम्बेडकर ने ऐसा संविधान बनाया जो सबको साथ जोड़कर रख सके

बाबासाहेब के नाम से दुनियाभर में लोकप्रिय डॉ. भीमराव अम्बेडकर एक समाज सुधारक, एक दलित राजनेता होने के साथ ही विश्व स्तर के विधिवेत्ता व भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पकार थे। भीमराव अम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महू में एक गरीब अस्पृश्य परिवार में हुआ था। भीमराव अम्बेडकर रामजी मालोजी सकपाल और भीमाबाई की 14वीं सन्तान थे। उनका परिवार मराठी था जो महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले मे स्थित अम्बावडे नगर से सम्बंधित था। उनके बचपन का नाम रामजी सकपाल था। वे हिंदू महार जाति के थे जो अछूत कहे जाते थे। उनकी जाति के साथ सामाजिक और आर्थिक रूप से गहरा भेदभाव किया जाता था। एक अस्पृश्य परिवार में जन्म लेने के कारण उनको बचपन कष्टों में बिताना पड़ा।

अम्बेडकर के पिता भारतीय सेना की महू छावनी में सूबेदार के पद पर रहे थे। उन्होंने अपने बच्चों को स्कूल में पढ़ने और कड़ी मेहनत करने के लिये हमेशा प्रोत्साहित किया। अपने भाइयों और बहनों में केवल अम्बेडकर ही स्कूल की परीक्षा में सफल हुए और इसके बाद बड़े स्कूल में जाने में सफल हुये। अपने एक ब्राह्मण शिक्षक महादेव अम्बेडकर जो उनसे विशेष स्नेह रखते थे, के कहने पर अम्बेडकर ने अपने नाम से सकपाल हटाकर अम्बेडकर जोड़ लिया जो उनके गांव के नाम अंबावडे पर आधारित था। अम्बेडकर 1926 में बंबई विधान परिषद के मनोनीत सदस्य बन गये। सन 1927 में डॉ. अम्बेडकर ने छुआछूत के खिलाफ एक व्यापक आंदोलन शुरू करने का फैसला किया। उन्होंने सार्वजनिक आन्दोलनों और जुलूसों के द्वारा पेयजल के सार्वजनिक संसाधन समाज के सभी लोगों के लिये खुलवाने के साथ ही अछूतों को भी हिंदू मंदिरों में प्रवेश करने का अधिकार दिलाने के लिये संघर्ष किया।

डॉ. अम्बेडकर की बढ़ती लोकप्रियता

और जन समर्थन के चलते उनको 1931 में लंदन में आयोजित दूसरे गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया। 1936 में उन्होंने स्वतंत्र लेबर पार्टी की स्थापना की जो 1937 में केन्द्रीय विधान सभा चुनावों में 15 सीटें जीतने में सफल रही। उन्होंने अपनी पुस्तक जाति के विनाश भी 1937 में प्रकाशित की जो उनके न्यूयॉर्क में लिखे एक शोधपत्र पर आधारित थी।

इस लोकप्रिय पुस्तक में अम्बेडकर ने हिंदू धार्मिक नेताओं और जाति व्यवस्था की जोरदार आलोचना की थी। उन्होंने अस्पृश्य समुदाय के लोगों को गांधीजी द्वारा रचित शब्द हरिजन पुकारने के कांग्रेस के फैसले की भी कड़ी निंदा की थी। जब 15 अगस्त 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाली नई सरकार बनी तो उसमें अम्बेडकर को देश का पहला कानून मंत्री नियुक्त किया गया। 29 अगस्त 1947 को डॉ. अम्बेडकर को स्वतंत्र भारत के नए संविधान की रचना कि लिए बनी संविधान मसौदा समिति के अध्यक्ष नियुक्त किया गया। डॉ. अम्बेडकर ने मसौदा तैयार करने के काम में सभी की प्रशंसा अर्जित की। 26 नवम्बर 1949 को संविधान सभा ने संविधान को अपना लिया। अपने काम को पूरा करने के बाद बोलते हुए डॉ. अम्बेडकर ने कहा कि मैं महसूस करता हूं कि संविधान साध्य है, लचीला है पर साथ ही यह इतना मजबूत भी है कि देश को शांति और युद्ध दोनों समय जोड़ कर रख सके। वास्तव में मैं कह सकता हूं कि अगर कभी कुछ गलत हुआ तो इसका कारण यह नहीं होगा कि हमारा संविधान खराब था बल्कि इसका उपयोग करने वाला मनुष्य ही गलत था।

1951 में संसद में अपने हिन्दू कोड बिल के मसौदे को रोके जाने के बाद अम्बेडकर ने केन्द्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। इस मसौदे में उत्तराधिकार, विवाह और अर्थव्यवस्था के कानूनों में लैंगिक समानता की मांग की गयी थी। अम्बेडकर ने 1952 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में लोकसभा का चुनाव लड़ा पर हार गये। मार्च 1952 में उन्हें राज्य सभा के लिए मनोनित किया गया। अपनी मृत्यु तक वो उच्च सदन के सदस्य रहे।

सन् 1950 के दशक में अम्बेडकर बौद्ध धर्म के प्रति आकर्षित हुए। 1955 में उन्होंने भारतीय बुद्ध महासभा की स्थापना की। 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में अम्बेडकर ने अपने लाखों समर्थकों के साथ सार्वजनिक समारोह में एक बौद्ध भिक्षु से बौद्ध धर्म ग्रहण कर लिया। **क्रमशः**

वैवाहिक

वर चाहिए

* अजमेर निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., बी.एड., एम.ए., पिता-निजी कार्य, गौत्र-धवन, नागरवाल, ढंढेरवाल, बान्दरवाल व सामने मुरारिया न हो।

* अजमेर निवासी, 31 वर्ष, शिक्षा-बी.एस.सी., बी.एड., एम.एस.सी., पी.एच.डी. अध्ययनरत, पिता-निजी कार्य, गौत्र-धवन, नागरवाल, ढंढेरवाल, बान्दरवाल व सामने मुरारिया न हो मो. 9024707422

* जयपुर निवासी, 27 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., जी.एन.एम. नर्सिंग, पिता-निजी कार्य, गौत्र-तलावलिया, बुहाड़िया, मीमरोठ, आकोदिया, गंगवाल, बेथैड़ी, बदाली, कुण्डारा।

* टोंक निवासी, 23 वर्ष, शिक्षा-नर्सिंग डिप्लोमा, वर्तमान में जयपुर में मेक्स हॉस्पिटल में नर्स, पिता-निजी कार्य, गौत्र-मेहर, जोनवाल, जीनवाल।

* जयपुर निवासी, 27 वर्ष, शिक्षा-बी.टेक., एम.एस.सी., बी.एड., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-मरमठट, मिमरोट, कुण्डारा।

* जयपुर निवासी, 20 वर्ष, शिक्षा-बी.कॉम., प्रथम वर्ष, पिता-निजी कार्य, गौत्र-गंगवाल, गोगडिया, लोदवाल, सिवतिया सामने चरावंडिया न हो मो. 9549367702

* जयपुर निवासी, 23 वर्ष, शिक्षा-बी.कॉम., पिता-निजी कार्य, गौत्र-गंगवाल, गोगडिया, लोदवाल, सिवतिया सामने चरावंडिया न हो मो. 9549367702

* जयपुर निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-एम.टेक, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-जोनवाल, चांदोलिया, बड़गोत्या, मो. 8106565279

* जयपुर निवासी, 23 वर्ष, शिक्षा-बी.कॉम., एम.कॉम. प्रथम वर्ष, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-नागरवाल, कुण्डारा, बुआ, सामने आकोदिया न हो।

* जयपुर निवासी, 22 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., पिता-निजी कार्य, गौत्र-कुण्डारा, मीमरोट, सेहरा।

* जयपुर निवासी, 25 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., जी.एन.एम., पिता-निजी कार्य, गौत्र-तलवालिया, बुहाड़िया, मीमरोट, आकोदिया, गंगवाल, बथेड़ी, बधाला, कुण्डारा।

वधू चाहिए

* जयपुर निवासी, 30 वर्ष, शिक्षा-एम.सी.ए., वर्तमान में ज.वी.वी.एन.लि. कोमखील एसिस्टेंट, पिता राजकीय सेवा, गौत्र मरमट, मिमरोट, कुण्डारा, मो. 7820889367

* जयपुर निवासी, 27 वर्ष, शिक्षा-बी.टेक., वर्तमान में ज.वी.वी.एन.लि. कनिष्ठ अभियन्ता, पिता राजकीय सेवा, गौत्र डोरिया, देवतवाल, मिमरोट।

* टोंक निवासी, 22 वर्ष, शिक्षा-बी.टेक., एम.एस.सी. तैयारी, वर्तमान में स्वयं को कोचिंग सेन्टर, पिता राजकीय सेवा, गौत्र आकोदिया, मेहर, गोमलाडू, मो. 9414639864

* टोंक निवासी (विधुर), 27 वर्ष, शिक्षा-एम.कॉम, वर्तमान में सरकारी एसिस्टेंट प्रोफेसर, पिता राजकीय सेवा, गौत्र सिशोदिया, गजरानिया, नगंवाड़ा।

* जयपुर निवासी, 34 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., एम.ए., वर्तमान में स्वयं का ज्वैलरी का व्यवसाय, पिता निजी कार्य, गौत्र जोनवाल, कुवाल, लोदवाल, जाटवा।

* दिल्ली निवासी (तलाक शुदा), 40 वर्ष, शिक्षा-डिप्लोमा इन मेनेजमेंट, वर्तमान में प्राईवेट जॉब, पिता राजकीय सेवा, गौत्र सिवत्या, मेहर, नंगवाड़ी।

* जयपुर निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., राजकीय अध्यापक, पिता राजकीय सेवा, गौत्र बैण्डवाल, नागरवाल, जोरवाल, जारवाल व सामने लोदवाल न हो।

* जयपुर निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी.एस.सी., वर्तमान में प्राईवेट जॉब, पिता राजकीय सेवा, गौत्र नंगवाड़ा, कुण्डारा, जोनवाल, सामने महर न हो, मो. 8302594945

* जयपुर निवासी, 32 वर्ष, शिक्षा-एम.डी. (मेडीसियन), वर्तमान में सीनियर रेजिडेंट (डॉक्टर), पिता राजकीय सेवा, गौत्र जोनवाल, चाँदोलिया, बड़गोत्या।

* जयपुर निवासी, (विधुर) 35 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., एम.ए., वर्तमान में प्राईवेट जॉब, गौत्र भीमवाल, रेसवाल, मीमरोट।

विस्तृत जानकारी के लिए सम्पर्क करें, **मो.: 9928260244**

स्वास्थ्य सेवाएं सरकार के मुख्य... (पृष्ठ 1 का शेष)

के लिए हृदय रोगों का उपचार कराना मुश्किल कार्य होता है। इसी को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने श्री सत्य साई हार्ट हॉस्पिटल राजकोट व अहमदाबाद के साथ एमओयू किया है। इसके अन्तर्गत

राज्य के हृदय रोगियों का नि:शुल्क इलाज अहमदाबाद व राजकोट में स्थित सत्य साई हार्ट हॉस्पिटल में हो सकेगा। मरीजों व उनके परिजनों को आवागमन के लिए मुख्यमंत्री सहायता कोष से 5 हजार रुपये की सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी।

श्री गहलोत ने कहा कि श्री सत्य साई सेवा ट्रस्ट साई बाबा के संदेश व भावना को आगे बढ़ाते हुए आर्थिक रूप से कमजोर हार्ट के मरीजों को नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे नि:शुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन गरीब लोगों को राहत देने वाला होता है।

मुख्यमंत्री ने चिकित्सा क्षेत्र में काम कर रहे निजी संस्थानों से अपील की कि वे चिकित्सा सेवा को व्यापार नहीं बनाकर इसे मानव सेवा का साधन बनाएं। श्री गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री बीपीएल जीवन रक्षा कोष जैसी पूर्व में लागू की गई योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने शिविर का निरीक्षण भी किया। उन्होंने वहां भर्ती हुए मरीजों व उनके परिजनों से बातचीत कर उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार उनकी हरसंभव मदद करेगी।

कार्यक्रम में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री रघु शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने चिकित्सा के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम किए हैं। उनके द्वारा लागू की गई नि:शुल्क दवा योजना तो देश-दुनिया में एक नजीर है। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए राज्य सरकार को सम्मानित किया है।

इस अवसर पर जयपुर हाईकोर्ट के जस्टिस श्री आलोक शर्मा, महापौर श्री विष्णु लाटा, विधायक श्री रफीक मंडेलिया, श्री सत्य साई हॉस्पिटल अहमदाबाद व राजकोट के मैनेजिंग ट्रस्टी श्री मनोज भिमानी, श्री सत्य साई सेवा संगठन के विभिन्न पदाधिकारी सहित मरीजों के परिजन व आमजन मौजूद रहे।

बच्चों से लेकर बड़ों तक को करना चाहिए सूर्य नमस्कार

यह तो हम सभी जानते हैं कि योगासन सेहत के लिए लाभकारी है। लेकिन अलग-अलग समस्याओं के लिए व्यक्ति भिन्न तरह के योगासन करता है। कुछ लोग समय के अभाव के चलते योगासन कर ही नहीं पाते। अगर आपके साथ भी यही समस्या है तो आप सूर्य नमस्कार का अभ्यास करें। यह एक संपूर्ण व्यायाम है, जो न सिर्फ शरीर बल्कि दिमाग को भी लाभ पहुंचाता है। अगर नियमित रूप से इसका अभ्यास किया जाए तो व्यक्ति के शरीर का संपूर्ण व्यायाम हो जाता है और फिर उसे बीमारियां छू भी नहीं पातीं। इतना ही नहीं, इसे बच्चों से लेकर बड़े बेहद आसानी से कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं सूर्यनमस्कार करने के तरीके और इसके लाभों के बारे में-

प्रणामासन- इसके लिए सर्वप्रथम छाती को चौड़ा और मेरूदंड को खींचें। एड़ियां मिली हुई हो और दोनों हाथ छाती के मध्य में नमस्कार की स्थित मिं जुड़ेहो और गर्दन तनी हुई व नजर सामने हो। अब आराम से श्वास लें और इस मुद्रा में केवल कुछ क्षण ही रूकें।

हस्तउत्तानासन- अब सांस को धीरे से अंदर खींचते हुए हाथों को उपर की ओर ले जाएं और हथेलियों को मिलाएं रखें। अब जितना ज्यादा हो सके, कमर को पीछे की ओर मोड़ते हुए अर्धचन्द्राकार बनाएं। जितनी देर संभव हो, श्वास को रोकने का प्रयास करें। यह आसन फेफड़ों के लिए काफी अच्छा माना जाता है।

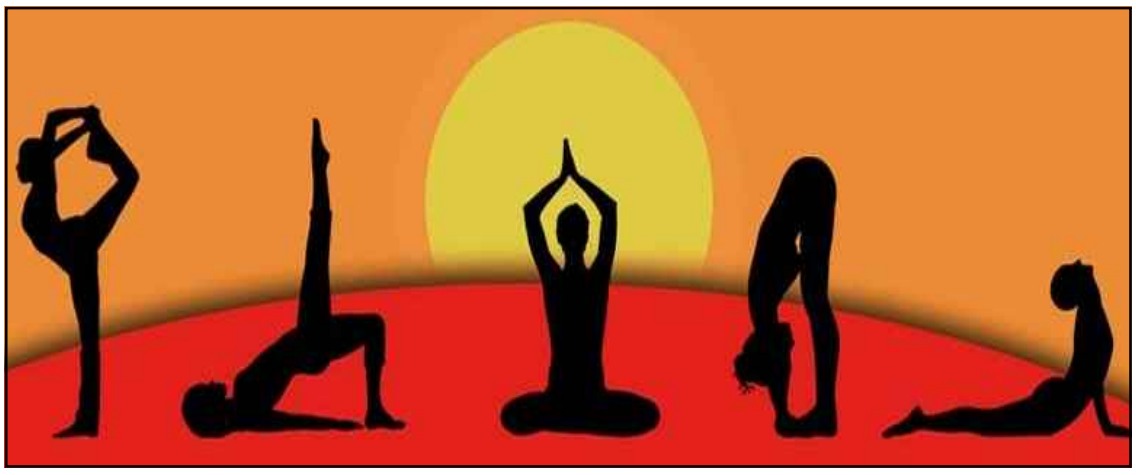

पादहस्तासन- अब श्वास छोड़ते हुए व कमर को आगे झुकाते हुए दोनों हाथों से अपने पंजों को पकडें। इस दौरान पैरों को जितना ज्यादा हो सके, सीधा रखें। अब दोनों पैरों को मजबूती से पकड़कर सीधा रखें और नीचे झुकने की कोशिश करें।

अश्वसंचालन आसन- अब श्वास भरते हुए दोनों हाथों को मैट पर रखें और नितंबों को नीचे करें। सीधे पैर को खींचते हुए जितना ज्यादा हो सके, पीछे की ओर रखें। अब पैर को सीधा मैट के उपर रखें और वजन पंजों पर रखें। आप चाहें तो घुटना मोड़कर भी मैट पर रख सकते हैं। अब उपर देखते हुए गर्दन पर खिंचाव को महसूस करें। यह बच्चों में रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में मददगार है।

संतोलासान- धीरे-धीरे श्वास छोड़ें और उल्टे पैर को पीछे लेकर जाएं। इस दौरान हाथों को सीधा कंधों की चौड़ाई के बराबर मैट पर रखें। अब कूल्हे की तरफ से स्वयं को उपर उठाएं। इस पोज में आपका शरीर उल्टे वी के समान दिखाई देगा। इस समय आपका पेट अंदर व कसा हुआ हो और नाभि अंदर मेरूदंड की तरफ खिंची हुई हो। यह आसन पेट को मजबूत बनाता है।

अष्टांग नमस्कार- श्वास को रोकते समय दोनों हाथों को कोहनियों से मोड़ें। अब दोनों घुटनों व छाती को मैट पर लगाएं। दोनों कोहनियों को छाती के नजदीक लाएं। अब छाती, दोनों हथेलियां, पंजे, और घुटने जमीन पर छूने चाहिए और शेष अंग हवा में हों।

भुंजगासन- सबसे पहले मैट पर उल्टे होकर लेते जाएं। अब श्वास लेते हुए कोहनियों को कसें। अब छाती को उपर की ओर उठाएं व कंधों को पीछे की तरफ कसें। लेकिन घुटनों व पंजों को मैट पर देखें। आपकी दृष्टि उपर की ओर होनी चाहिए।

पर्वतासन- धीरे से श्वास छोड़ते हुए पंजों को अंदर करें, कमर को उपर की ओर उठाएं और हथेलियों, पंजों को मैट पर रखें। निश्चित करें कि एड़ियां मैट पर रहें। ठुड्डी को नीचे की ओर करें।

अश्वसंचालन आसन- श्वास भरते हुए दाएं पैर को आगे दोनों हाथों के बीच में लाएं। बाएं पैर को पीछे पंजे पर ही रहने दें व घुटनों को नीचे मैट पर रख लें। दाएं पैर को 90 डिग्री के कोण पर मोड़ें और जांघ को मैट के समानांतर रखें। अपने हाथों को सीधे मैट पर रखें। सिर व कमर को उपर की ओर उठाएं ताकि आप उपर की ओर देख सकें।

पादहस्तासन-अब श्वास छोड़ते हुए व कमर को आगे झुकाते हुए दोनों हाथों से अपने पंजों को पकडें। इस दौरान पैरों को जितना ज्यादा हो सके, सीधा रखें। अब दोनों पैरों को मजबूती से पकड़कर सीधा रखें और नीचे झुकने की कोशिश करें।

हस्तउत्तानासन- श्वास भरते हुए दोनों हाथों को एक साथ उपर की ओर लेकर जाएं। जितना ज्यादा हो सके, कमर के निचले हिस्से को आगे की ओर तथा उपरी हिस्से को पीछे की ओर लेकर जाएं। जैसे ही आप हाथों को अपने सिर के उपर से पीछे की ओर लेकर जाएंगे, उसी समय आप संवेदना के साथ उर्जा का संचार महसूस करेंगे।

प्रणामासन- अंत में श्वास छोड़ते व कमर को सीधा करते हुए हाथों को अपनी छाती के पास नमस्कार मुद्रा में लेकर आएं। कुछ क्षण इसी देर में रूकें।

इसके फायदे

सूर्यनमस्कार के फायदों के बारे में जितना कहा जाए, उतना ही कम है। जब आप इसका अभ्यास करते हैं तो पूरे शरीर की स्टेचिंग होती है। इसके अतिरिक्त अगर किसी व्यक्ति को शरीर के किसी हिस्से में दर्द हैं तो वह भी सूर्य नमस्कार का अभ्यास कर सकता है। सूर्यनमस्कार का नियमित अभ्यास शरीर की फलेक्सिबिलिटी को बढ़ाता है। वहीं यह कई तरह की बीमारियों जैसे मोटापे, झुर्रियों, पीसीओडी व थॉयराइड की समस्या को भी दूर करता है। जहां एक ओर सूर्य नमस्कार शारीरिक स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना गया है, वहीं दूसरी ओर इससे व्यक्ति का मानसिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है। सूर्यनमस्कार का अभ्यास करने से व्यक्ति का तनाव, एंग्जाइटी आदि दूर होती है और व्यक्ति का अधिक शांत, खुश महसूस करता है। इसके अतिरिक्त इससे व्यक्ति की एकाग्रता बढ़ती है और उसके ब्रेन सेल्स बेहतर तरीके से काम करते हैं।

अखिल भारतीय रैगर महासभा... (पृष्ठ 1 का शेष)

सर्वसम्मति से नियुक्त किया गया। प्रदेश अध्यक्ष/युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष /महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष की नियुक्ति हेतु 05 जून 2019 तक आवेदन माँगे गए है।

बूंदी जिले के पूर्व अध्यक्ष श्री बाबूलाल वर्मा को पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष के द्वारा प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित करने के आदेश पर सदन ने एतराज जताया व पूर्व के आदेश को निरस्त करते हुए श्री बाबूलाल वर्मा को पुन: प्राथमिक व आजीवन सदस्य से वापस महासभा में लेने का निर्णय लिया गया। उसके बाद महासभा ने अगामी कार्यक्रमों के लिए माह सितम्बर-2019 मे अखिल भारतीय रैगर महासभा द्वारा देश के सर्वश्रेष्ठ अंक प्राप्त करने वाले बालक-बालिकाओं को प्रतिभा सम्मान एंव सामाजिक क्षेत्र मे अग्रणीय रहने वालो को सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा जिसकी निम्न सदस्यों ने स्वयं अपना नाम पेशकर कार्यक्रम करने की स्वीकृति दी-डा रविन्द्र नारोलिया, श्री सुरेन्द्र जलथुरिया, श्री घनश्याम बाकोलिया, श्री ओंकार बडेतिया, श्री शंकरलाल नारोलिया, श्री घनश्याम जग्गरवाल, श्री नीरज कुमार तौणगरिया व अन्य लोगो की कमेटियां बनाकर कार्यक्रम को सफल बनाया जायेगा, इसी तरह बाबा साहाब के परिनिर्माण दिवस 6 दिसम्बर को रक्त दान शिविर एंव स्वास्थ्य जांच व चिकित्सा शिविर का आयोजन महासभा द्वारा किया जायेगा। साथ ही अखिल भारतीय रैगर महासभा के सदस्यता अभियान के लिए संयोजक श्री बद्रीनारायण झीगोनिंया को नियुक्त किया गया है।

इस बैठक में दिल्ली, मध्यप्रदेश, पंजाब, गुजरात, राजस्थान मे जयपुर, भीलवाड़ा, सीकर, झूंझनू, सवाईमाधोपुर, चुरू, कोटा, बूंन्दी, जोधपुर, दोसा, अलवर, टोंक आदि जगहों से रैगर महासभा के गणमान्य कार्यकारिणी सदस्य मौजूद रहे।

-डॉ एस.के. मोहनपुरिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष- अखिल भारतीय रैगर महासभा
खुबराम सबलानीया, राष्ट्रीय महासचिव व कार्यालय महासचिव

पूर्वी राजस्थान में दलितों पर बढ़ते... (पृष्ठ 1 का शेष)

फास्ट ट्रेक कोर्ट में पुख्ता पैरवी करवाकर दोषियों को जल्द कठोर से कठोर सजा दिलवाएं, ताकि भविष्य में किसी अपराधी की दलित महिला की ओर आंख उठाकर देखने की भी हिम्मत ना हो सके। इस घटना में पूरा समाज पीड़िता एवं उनके परिवारजनों के साथ खड़ा है, लेकिन इस घटना का राजनीतिकरण कतई नहीं होना चाहिए। दलित वर्ग को पूरा भरोसा है कि सरकार उनकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी और पिड़ता के साथ पूरा न्यास करेगी। सरकार से हमारी यह भी मांग है कि पीड़िता और उसके परिवार को 50 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाए, पीड़िता के साथ उसके परिवार का पुनर्वास व सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, और पीड़िता एवं उसके पति को राजकीय सेवा में सम्मानजनक पद पर नियुक्ति दी जाए।

हमारे संज्ञान में कई सालों से यह आ रहा है कि पूर्वी राजस्थान में दलितों के साथ अत्याचार, महिलाओं के साथ बलात्कार, यौन शोषण, लूट-हत्या और अत्याचार के मामले बढ़ते जा रहा है। यहां मार्शल कौमों द्वारा उन्हें अपना निशाना बनाया जा रहा हैं। जिससे उनका रहना मुश्किल हो रहा है।

पूर्वी राजस्थान के पांच जिलों अलवर, भरतपुर, करौली, धौलपुर और सवाई माधोपुर में आये दिन दलितों के साथ हो रही घटनाओं को रोकने के लिए सरकार सख्त कदम उठाये और यहां मार्शल कौमों द्वारा दलितों को निशाना बनाये जाने की घटनाओं पर अंकुश लगाया जाए। इसके लिए प्रदेश में सरकार कोई एक विशेष टी या समिति, एससी आयोग की अलग शाखा-ईकाई या कोई एजेंसी-आयोग बनाए जो जहां दलित अपराधों पर कन्ट्रोल की मोनिटरिंग तो करें ही साथ ही दोषियों पर कार्यवाही के लिए प्रशासन को जवाबदेह बनाए, अन्यथा इन जिलों में दलितों के हालात और बदत्तर होने की आशंका है। दलित अपराधों के कन्ट्रोल के लिए यहां प्रशासन को भी खासतौर पर मुस्तैद रहने और घटनाओं पर तुरन्त कार्यवाही के तुरन्त निर्देश दिए जाएं।

श्री अनिल गोठवाल प्रदेश महासचिव डॉ. अम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी, श्री सुरेश कल्याणी प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान मेहतर मजदूर संघ, श्री हनुमान सिंह निर्भय राष्ट्रीय अध्यक्ष मेघवंश समाज महासंघ, डॉ. एस.के. मोहनपुरिया राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय रैगर महासभा, श्री हरिनारायण बैरवा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय बेरवा महासभा, श्रीमती अंजूरानी कराड़िया राष्ट्रीय अध्यक्ष रैगर समाज नवनिर्माण महासमिति, श्री नत्थी सिंह जाटव प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान जाटव महासभा, श्री फूलचन्द बिलोनिया प्रदेशाध्यक्ष अनुसूचित जाति विकास परिषद, श्री महेश धावनिया प्रदेशाध्यक्ष प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्था, श्री रणजीत सिंह जाटव प्रदेश महासचिव राजस्थान जाटव महासभा, श्री बाबूलाल राणा प्रदेशाध्यक्ष प्रान्तीय भाट, भाण्ड, राणा, ढोली नट समाज विकास समिति, डॉ. पप्पूराम कोली प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान कोली हितकारिणी महासभा, श्री प्रेमनारायण बुटोलिया अध्यक्ष राजस्थान प्रगतिशील खटीक समाज समिति, श्री संजय वर्मा प्रदेश महासचिव धोबी बसीठा समाज संस्था, श्री हरिनारायण तरदिया प्रदेश महासचिव प्रांतीय अजा/अजजा-पिछड़ी जाति विकास समिति आदि उपरोक्त सामाजिक संगठनों द्वारा पिंकसिटी प्रेस क्लब में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दोषियों को कठोर दण्ड दिलाने की मांग की।

पेहरावनी सीमित करने हेतु सुधार का सुझाव

आजकल, अपने बैरवा समाज में सगाई, लग्न ,भात शादी विवाह एवं अन्य शुभ अवसरों पर पेहरावनी (ओढनी) का दायरा दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। लड़के पक्ष की ओर से महिला / पुरुषों के लिए पेहरावणी वास्ते अत्यधिक संख्या में कपड़े मंगवाए जा रहे हैं। यह कुरीति दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।

लड़की पक्ष की ओर से मजबूरीवश बहु संख्या में पेहरावनी के कपड़े लाए भी जा रहे हैं, क्योंकि यह उसके वश में नहीं है। परंतु जब अनावश्यक रूप से बहुत सारे कपड़े पेहरावनी के लिए मंगवाए जाएंगे तो यह सामान्य सी बात है कि पेहरावनी वाले कपड़े निम्न/सामान क्वालिटी के ही होंगे। पेहरावनी के तुरंत बाद उपस्थित महिलाएं/पुरुष उन कपड़ों की क्वालिटी के संबंध में क्रिया प्रतिक्रिया करने लग जाते है। कुछ बुद्धिजीवी समाज चिंतक अधिक पेहरावनी के कपड़ों एवं क्वालिटी पर चर्चा करने लग जाते हैं। कहते हैँ इन कपड़ो को दर्जी सिलाई करके नहीं देगा, बाजार में वापस बेचने जाओगे तो दुकानदार किसी भी कीमत पर वापस नहीं लेगा, स्वयं के काम आएंगे नहीँ, रिश्तेदारोँ को पुन: विदा मेँ देने में शर्म आती है। फिर क्या उपयोग होगा उन कपड़ों का? ये कपड़े ऐसे ही कार्यक्रमों में लेनदेन/आदान-प्रदान के काम में आएंगे।

जब हमारे बंधु लगन भात आदि के लिए कपड़े खरीदने दुकानदार के पास जाते है तो दुकानदार पहले ही पूछ लेता है कि, कपड़े लेनदेन के लिए चाहिए क्या? अर्थात फैक्ट्रियां लेनदेन का कपड़ा, अलग से तैयार करने लग गई है। 100 -150 की साड़ी, 100-150 का पैंट शर्ट का जोड़ा 20 या 30 की पछेवड़ी खरीद कर लाते है। जो उपयोगी नहीं होती हैं। अब जरा सोचिए। ऐसी स्थिति में यह निष्कर्ष निकलता है कि, बैरवा लुट रहा है और दुकानदार बन रहा है। फिर हम इस बिँदु पर विचार क्यों नहीं कर रहे हैं? या तो हम शिक्षित नहीं हैं या रूढ़ीवादी परंपराओं के अनुयायी हैं।

अत: साथियों इस संबंध में समाज हित में मेरी अपील एवं व्यक्तिगत राय है कि ऐसे अवसर पर लड़के के खास घर परिवार वालों को ही सीमित संख्या में कपड़े मंगवाए जावेँ तथा परिवार के अन्य सदस्यों, रिश्तेदारों एवं यार दोस्तों के लिये 10, 20, 50 या जो भी अधिकतम श्रद्धानुसार राशि लिफाफे मैं रखकर / देकर सम्मान करवाया जाए तो समाज हित में रहेगा। इस व्यवस्था के लिए थोड़ी हिम्मत जुटानी होगी, त्याग करना होगा, स्वयं को आगे आकर शुरुआत करनी होगी, तभी समाज में इस बिंदु पर आगे सुधार होता चला जाएगा, क्योंकि नकद राशि तो काम भी आ सकती है, परंतु कपड़े किसी भी उपयोग में नहीं आ सकते हैँ, इस पर विचार करना होगा। बैरवा महासभा के सभी पदाधिकारियों/ समाज सुधारक संगठनों/ नवयुवकों से अपील है कि इस मुहिम को सामूहिक रूप से आवश्यक प्रचार प्रसार कर लागू करवाने में सहयोग प्रदान करें। यह मेरा समाज हित में व्यक्तिगत सुझाव है।

-बाबूलाल बैरवा (महुआ)

हर वर्ग को अपने हक की बात करने का अधिकार: गहलोत

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा कि युवा वर्ग युवाओं के साथ-साथ महिलाओं, विधवाओं, वृद्धजनों एवं समाज के हर वर्ग के अधिकारों की रक्षा पर चिंतन-मनन करें। उन्होंने कहा कि जनमानस में कानून के राज की बात होनी चाहिए। हर वर्ग को अपने हक की बात करने का पूरा अधिकार है। उन्हें इसमें कोई भी परेशानी आती है तो वे अपनी शिकायत मुख्यमंत्री कार्यालय में कर सकते हैं। उनकी समस्याओं का यथासम्भव निराकरण किया जायेगा।

श्री गहलोत भीलवाड़ा जिले की करेड़ा तहसील के बड़ी का बाड़िया में 'मजदूर किसान शक्ति संगठन' की ओर से आयोजित 'युवा चितंन शिविर' को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ऐसे चिंतन शिविरों से युवाओं के व्यक्तित्व में निखार आता है और उन्हें अच्छे संस्कार मिलते हैं। कम पढ़े-लिखे तथा वंचित युवा वर्ग को भी ऐसे शिविरों से अपने सपने साकार करने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि चिंतन शिविर में सभी युवा अपने उद्गार खुलकर प्रकट करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बालकों को विद्यार्थी जीवन से ही संविधान के बारे में जानकारी दी जानी चाहिये। उन्होंने शिविर में प्रतिभागियों तथा उपस्थित लोगों को संविधान की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि संविधान की शपथ पाठ्य पुस्तकों के प्रारंभ में छापी जाए ताकि विद्यार्थी जीवन से ही संविधान के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित हो सके। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मनाई जा रही है। इसके उपलक्ष्य में राज्य के हर जिले में गोष्ठियां आयोजित की जाएंगी तथा गांधीजी के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जाएगी। शिविर को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष श्री सीपी जोशी ने कहा कि ऐसे शिविरों में संविधान तथा संसदीय लोकतंत्र के बारे में बात की जानी चाहिए। इससे लोकतंत्र मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि संविधान के कारण ही आज लोगों को न्यूनतम मजदूरी मिल रही है। श्रमिक वर्ग अंधकार से बाहर निकला है और उसे उसके हक मिले हैं।

सामाजिक कार्यकर्ता एवं मजदूर किसान शक्ति संगठन की प्रतिनिधि श्री अरुणा राय ने कहा कि शिविर में कम पढ़े-लिखे तथा वंचित युवा वर्ग को संविधान, लोकतंत्र, उनके हक तथा देश के ढांचे के बारे में जानकारी दी जा रही है। देश के नवीनतम आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक हालातों पर भी चर्चा की जा रही है। शिविर में पूरे देश से लगभग 200 बच्चे भाग ले रहे हैं। सामाजिक कार्यकर्ता श्री निखिल डे ने कहा कि जातिगत, सामाजिक मतभेद खत्म हो तथा समभाव बढे, सभी को बुनियादी सुविधाएं मिले, महिलाओं पर बंदिशे खत्म हों तथा उन्हें समान अधिकार मिले, इसके लिये हम प्रयासरत हैं। भारत में सूचना का अधिकार मिलना एक बड़ी सफलता है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान वहां उपस्थित मनरेगा श्रमिकों से भी मुलाकात की। उन्होंने उनके हालात जाने तथा समस्याएं पूछीं। इस अवसर पर विधायक श्री रामलाल जाट, जिला कलक्टर श्री राजेन्द्र भट्ट, पुलिस अधीक्षक श्री योगेश यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्यजन उपस्थित थे।

विभिन्न योजनाओं में लम्बित प्रकरणों का 30 जून तक किया जाएगा निस्तारण: मास्टर भंवरलाल मेघवाल

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री मास्टर भंवरलाल मेघवाल ने कहा प्रदेश में संचालित सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन के लिए योजनाओं को और सरल करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वहीं विभिन्न योजनाओं में लम्बित प्रकरणों का 30 जून तक निस्तारण करने के निर्देश दिए।

श्री मेघवाल शासन सचिवालय में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित छात्रावास, आवासीय विद्यालय, उत्तर मैट्रिक छात्रवृति योजना, अनुप्रति योजना, ई.बी.सी छात्रवृति योजना, देवनारायण योजना एवं मुख्यमंत्री सर्वजन छात्रवृति योजना योजना, एस.सी.एस.टी. अत्याचार अधिनियम में दर्ज प्रकरणों, अंतरजातीय विवाह योजना, बुक बैंक आदि योजनाओं की विस्तार से समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने छात्रावासों की स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि छात्रावासों में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए पूरे प्रयास किए जाएं। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में कोई भी छात्रावास किराए के भवनों में नहीं चलेगा। उन्होंने छात्रावासों में प्रवेश प्रक्रिया को और सरल बनाने के निर्देश भी दिए, जिससे स्वीकृत क्षमता के अनुसार पात्र विद्यार्थियों को प्रवेश मिल सके। उन्होंने महिला छात्रावास अधीक्षक पदों को शीघ्र भरने के लिए कार्यवाही करने तथा संचालित अनुदानित छात्रावासों को टीम बनाकर गंभीरता से जांच करने के कडे निर्देष दिए।

उन्हांने पीपीपी मोड पर 50 संस्थाओं को दिए गए अनुदान राशि ब्याज सहित वसूलने पर जोर दिया। श्री मेघवाल ने प्रदेश में संचालित अनुप्रति योजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए किए इस योजना का आरएएस एवं आईएएस प्रतियोगिता परीक्षाओं के अलावा अन्य भर्ती परीक्षा में बैठने वाले विद्यार्थियों को शामिल कर लाभ देने के लिए योजना को ओपन करने के निर्देश दिए।

चुनाव में हार के बाद कांग्रेस सरकार में राजनीतिक नियुक्तियों पर खामोशी

जयपुर। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की जिस तरह से करारी हार हुई है। उसके बाद से प्रदेश में राजनीतिक नियुक्तियों की चर्चा पर फिलहाल कुछ महीने के लिए विराम लग गया है। सत्ता से लेकर संगठन तक और मंत्री से लेकर पदाधिकारी तक कोई भी नई नियुक्तियों के लिए पैरवी नहीं कर रहे है। हर स्तर पर चुप्पी साधी जा रही हैं। हर कोई राहुल गांधी का इस्तीफा वापस लेने के लिए इंतजार में है। उसके बाद ही राज्य में कोई अगला कदम उठाया जाएगा।

विधानसभा में कांग्रेस की जीत के बाद राजनीतिक नियुक्तियों की चर्चा शुरू हो गई थी। तब सरकार और पार्टी के स्तर पर तय किया गया कि लोकसभा चुनाव के बाद की जाएंगी, लेकिन लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की राज्य की सभी 25 सीटों पर हार हुई। 190 विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस पिछड़ गई। पहली बार पार्टी की इतनी बुरी हालत सामने आई। प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से संगठन में फेरबदल करने और राहुल गांधी का इस्तीफा वापस लेने के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। ऐसे में कोई भी व्यक्ति राजनीति नियुक्तियों को लेकर चर्चा नहीं कर रहा है। पार्टी के एक नेता का कहना है कि राहुल गांधी के इस्तीफे को लेकर जब तक कोई फैसला नहीं हो जाता, तब तक किसी प्रकार की नियुक्ति नहीं की जाएगी। अपवाद को छोड़कर प्रदेश का कोई भी नेता आज यह कहने की स्थिति में नही है कि उसके कारण से कांग्रेस की नैया पार हो गई है। स्थिति यह है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट सहित तमाम मंत्री अपने विधानसभा क्षेत्र तक को नहीं बचा पाए।

जिलाध्यक्षों पर भी गिरेगी गाज: कांग्रेस में नई ऊर्जा का संचार करने के लिए सबसे पहले जिलाध्यक्षों में पर गाज गिरनी तय मानी जा रही है। जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण सहित पूरे प्रदेश में कोई भी ऐसा जिलाध्यक्ष नहीं रहा, जो अपने क्षेत्र या जिले में कांग्रेस को लीड दिला सके। जबकि कई जिलाध्यक्ष और मंत्री तो सीधे मोदी को ही टारगेट करते हुए बयानवीर बने हुए थे। भीलवाड़ा के जिलाध्यक्ष तो खुद ही चुनाव हार गए। कई ऐसे जिलाध्यक्ष है, जिनके पास दो पद है, उन्हें एक पद छोड़ना पड़ सकता है।

स्वामीत्व, मुद्रक, प्रकाशक, रजनी के लिए एम.बी. प्रिन्टर्स एफ-76 ए, करतारपुरा इण्ड. एरिया मोरानी वर्क्सशॉप के पास जयपुर से मुद्रित एवं सी-57, महेश नगर, 80 फीट रोड, जयपुर-15 (राज.) से प्रकाशित। सम्पादक-भवनेश धावनिया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर होगा। मो.-9928260244, 9829271582 E-mail : shreebaba_2008@yahoo.com